(A No. 147) चौधरी चरण सिंह और किसान नीति: भारत के कृषि दर्शन का मजबूत आधार

किरण मेहता
आईसीएआर–राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल

चौधरी चरण सिंह का नाम भारतीय राजनीति और कृषि सुधारों के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। वे केवल एक प्रधानमंत्री नहीं थे बल्कि किसानों की आवाज़ थे। उनका मानना था कि भारत का विकास तभी संभव है जब किसान समृद्ध होंगे। उन्होंने कृषि को देश की अर्थव्यवस्था का केंद्र माना — न कि केवल एक पेशा।

किसान दर्शन: चौधरी चरण सिंह की दृष्टि

उन्होंने स्पष्ट कहा था: **"भारत का असली पूंजीपति खेत में हल चलाने वाला किसान है।"** उनका विचार था कि छोटे और सीमांत किसान भारत की आत्मा हैं। कृषि नीति में उनका दृष्टिकोण 4 स्तंभों पर आधारित था:

1. **रोजगार सृजन**
2. **ग्रामीण आर्थिक स्थिरता**
3. **न्यायपूर्ण मूल्य प्रणाली**
4. **किसान की गरिमा का संरक्षण**

मुख्य कृषि नीतियाँ और योगदान

नीति/कार्य	उद्देश्य
भूमि सुधार कानून (Zamindari Abolition)	किसानों को भूमि का अधिकार
कृषि ऋण सुधार	बिना ब्याज या कम ब्याज ऋण
MSP प्रणाली की नींव	किसानों को न्यूनतम मूल्य सुरक्षा
मंडी सुधार	किसानों को बाजार तक सीधी पहुँच
कृषि सहकारिता (Cooperatives)	सामूहिक खेती और लागत नियंत्रण

उन्होंने किसान को केवल उत्पादक नहीं बल्कि **अर्थनीति का केंद्र** माना।

किसान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था

चौधरी चरण सिंह ने माना कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी तो देश सुरक्षित रहेगा। उन्होंने "मिश्रित कृषि मॉडल" को अपनाने की बात कही जिसमें फसल + पशुपालन + दुग्ध उत्पादन एक साथ चलें। आज प्रधानमंत्री के **FPO (Farmer Producer Organization)** मॉडल की सोच का आधार भी उनके विचारों से मेल खाता है।

✔ उन्होंने छोटे किसानों को प्रोसेसिंग यूनिट से जोड़ने की बात कही

✔ कृषि को उद्योग से जोड़ने की "Agro-Based Economy" की अवधारणा दी

✔ ग्रामीण युवाओं को कृषि उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित किया

आज की कृषि नीतियों में उनकी सोच की झलक

वर्तमान योजना	चरण सिंह की सोच से संबन्ध
e-NAM (डिजिटल मंडी)	मंडी सुधार और सीधी बिक्री
पीएम किसान निधि	किसान की आर्थिक सुरक्षा
कृषि स्टार्टअप योजना	ग्रामीण उद्यमिता
MSP Model	मूल्य आधारित संरक्षण
FPO योजना	सहकारिता आधारित खेती

क्यों कहा जाता है – किसान नेता?

- उन्होंने कभी बड़े उद्योगपतियों का पक्ष नहीं लिया
- किसानों की आय बढ़ाने पर सबसे अधिक कार्य किया
- संसद में सबसे अधिक किसान मुद्दों पर बोले
- किसान को राष्ट्रीय एजेंडा में शामिल किया

उन्होंने कहा था –

"अगर किसान धोखा खाएगा तो लोकतंत्र भी खेत में ही दफन हो जाएगा।"

भविष्य में उनकी सोच का महत्व

भारत जब 2047 में 'विकसित राष्ट्र' बनने की ओर बढ़ रहा है, तो चौधरी चरण सिंह का मॉडल सबसे ज़्यादा प्रासंगिक है:

✔ ग्रामीण केंद्रित विकास
✔ टिकाऊ कृषि नीति
✔ रोजगार आधारित कृषि मॉडल
✔ किसान को आर्थिक शक्ति बनाना

निष्कर्ष

चौधरी चरण सिंह केवल एक राजनीतिज्ञ नहीं, बल्कि **कृषि विचारधारा के निर्माता** थे। आज जब भारत नई कृषि नीति की ओर बढ़ रहा है, तो उनकी सोच एक आधारस्तंभ की तरह हमें सही दिशा दिखा रही है।

"भारत का भविष्य खेतों में लिखा जाएगा – और किसान लेखक होगा।" यही चौधरी चरण सिंह की सच्ची श्रद्धांजलि है।

कृषि विज्ञान की मासिक पत्रिका
किसान गज़ट